Use of Language in Journalism

पत्रकारिता में भाषा का प्रयोग

Presented by

Dr. Archana Bharti

Guest Faculty, MJMC

Sem-1, Paper- 101

Date- 28/07/2021

पत्रकारिता में भाषा का प्रयोग

- पत्रकारिता में समाचार का काम संवाद प्रेषित करना होता है, ना कि साहित्य या भाषाशास्त्र पढ़ाना, अतः इसमें आम बोलचाल शब्द का प्रयोग किया जाता है।
- किसी भी भाषा को जीवित बनाए रखने के लिए इसमें नए–नए शब्द का प्रयोग करते रहना चाहिए। यदि हम किसी दूसरी भाषा के किसी भाव को समझते हों और अपनी भाषा में अगर उपयुक्त शब्द नहीं है तो मूल शब्द के उपयोग से अथवा नए शब्द का प्रयोग करना चाहिए।

पत्रकारिता में भाषा का प्रयोग

- जब किसी दूसरी भाषा का शब्द अपनी भाषा में अपनाया जाता है तो उसे मूल रूप में लेने की आवश्यकता नहीं होती है। यह बात स्थानों और व्यक्तियों के नामों पर लागू नहीं होनी चाहिए।
- किसी का नाम अपनी भाषा के हिसाब से सही पर मूल भाषा के हिसाब गलत लिखा जाएगा तो यह मामला संवेदनशील बन जाता है।

पत्रकारिता में भाषा का प्रयोग

- हिन्दी में उर्दू शब्दों का इस्तेमाल उर्दू के हिसाब से करना कठिन हो जाता है। अनुवाद करते समय बारीकियों का ध्यान रखा जाता है जिससे कि अनुवाद पता न चलें। अनुवाद करते समय सामान्य ज्ञान और भाषा की संवेदनशीलता का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। एक भाषा का मुहावरा दूसरी भाषा के मुहावरे में फिट हो जाना चाहिए।
- भाषा संवाद के लिए होती है इसलिए भाषा में उदारता होनी चाहिए और समय के अनुसार बदलती रहनी चाहिए।

पत्रकारिता में भाषा का प्रयोग

- हर भाषा का अपना मुहावरा होता है जो दूसरी भाषा में जाकर बदल जाता है। उदाहरण के लिए अंग्रेजी मुहावरे *''ही हैज टू मैनी आयरन्स इन द फायर'* का अर्थ 'उसने आग में अनेक छड़ें रखीं हैं' ना होकर इसका सही अनुवाद होगा *''वह एक ही समय में अनेक कार्यों में लगा है''*।
- इस प्रकार हम कह सकते हैं कि एक भाषा के मुहावरे का अर्थ दूसरी भाषा में शाब्दिक नहीं हो सकता है। पत्रकारिता में रिपोर्टिंग करते समय भी इस बात का ध्यान रखा जाता है।

पत्रकारिता में भाषा का प्रयोग

- पत्रकारिता में किसी न किसी स्तर पर अनुवाद (Translation) की आवश्यकता होती है। अनुवाद पत्रकारिता का एक अभिन्न अंग है। उदाहरण के लिए, यदि कोई हिन्दी भाषा के नेता का भाषण की रिपोर्टिंग किसी अंग्रेजी अखबार के संवाददाता को करनी है तो उसे अनुवाद करने की जरूरत पड़ेगी। इसी प्रकार जब किसी विदेशी रिपोर्टर को अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य भाषा में अपनी रिपोर्ट भेजनी है तो उसे हिन्दी में दिए गए मूल भाषण के बजाय उसके अंग्रेजी अनुवाद पर निर्भर रहना पड़ता है।

पत्रकारिता में भाषा का प्रयोग

- प्रत्येक समाचार एजेंसी अपने–अपने ढंग, अपनी–अपनी विचारधारा और प्रतिबद्धता (Commitment) के अनुसार समाचार लिखती है और उसे प्रेषित करती है। जैसे कि, एक ही समाचार को एसोसिएटेड प्रेस, रॉयटर, शिन्हुआ, यूएनआइ, एएफपी अपने ढंग से लिखती है। ऐसे में भाषा की संवेदनशीलता को बनाए रखने के साथ–साथ अंग्रेजी भाषा के मुहावरों को सही परिप्रेक्ष्य (Perspective) में हिन्दी में रखना पड़ता है।

- अतः पत्रकारिता में सटीक अनुवाद, सही मुहावरों का प्रयोग, उचित भाषा, नए जीवंत शब्दों और मूल भाषा के शब्दों को अपनी भाषा में ठीक से उतारने का हुनर होना चाहिए।

धन्यवाद

स्त्रोत : ***newswriters.in*** *में प्रकाशित पत्रकार ''सुरेश नौटियाल'' के आलेख से*